



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 235]
No. 235]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 4, 1990/आश्विन 12, 1912
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 4, 1990/ASVINA 12, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

काणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 66/आई टी सी (पी एन)/90-93

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1990

विषय :—अग्निशमन तथा बचाव उपस्करों का आयात करने हेतु
370 मिलियन येन की अनुदान सहायता (1989-90)
सम्बन्धी लाइसेंसिंग शर्तें।

काष्ठ सं. आई पी सी/23/(63)/90-93:—1989-90 के लिये
370 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से
भारतीय बन्दरगाहों पर उपस्कर के परिवहन के लिये आवश्यक
अग्निशमन और बचाव उपस्कर सेवाओं के आयात पर लागू होने वाली
शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना
के लिये अधिसूचित की जाती हैं।

तेजेंद्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

काणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 66 आई टी सी
(पी एन)/90—93, दिनांक 4-10-90 का परिशिष्ट

वर्ष 1989-90 के लिये तीन सौ सत्तर मिलियन येन
(370,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्करों

2638GI/90

का भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिये आवश्यक अग्निशमन तथा
बचाव उपस्कर सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड—1 सामान्य शर्तें

1. (1) वर्ष 1989-90 के लिये 370 मिलियन येन की जापानी
अनुदान सहायता अग्निशमन तथा बचाव उपस्कर के आयात के लिये
और उसके भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिये संभरकों को की
जाने वाली अदायगी के वित्त पोषण के लिये है।

1. (2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर
407 मिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिये
जारी नहीं किये जाने चाहिये और उन पर एक शीर्षक "1989-90"
के लिये 370 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता होना चाहिये
प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिये लाइसेंस कोड "एस/जे एन" होगा।
परन्तु सामान्य खुले लाइसेंस के अन्तर्गत आने वाली मर्दों के लिये कोई
आयात लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1. (3) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात
लाइसेंस के प्रति नहीं दी जायेगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन
के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में
किया जाना चाहिये। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग
होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किये जायेंगे।

1. (4) उपस्कर की प्राप्ति इस अनुदान के अन्तर्गत जापान से
ही की जाये।

(1)

1. (5) आयात लाइसेंस लागत बीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जायेगा जोकि 31-3-1991 तक वैध रहेगा।

1. (6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान वस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिये। उसमें सुपुर्दगी की अवधि के लिये भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिये:—

“सुपुर्दगी 15-3-1991 तक पूर्ण की जानी है।”

1. (7) संविदा का मूल्य लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य आधार पर येन में दर्शाया जाना चाहिये (येन की भिन्न को हटाया जाना चाहिये) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिये। अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिये। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा घनराशि भ्रलग-भ्रलग प्रदर्शित की जानी चाहिये, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिये कि भाड़े का खर्चा वास्तविक आधार पर वेय होगा या ठेके में निदिष्ट किये गये भाड़े का वास्तविक खर्चों के प्रतिरिक्त येन घनराशि होगी।

1. (8) क्रय संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रिकों या जापानी राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित जापानी बैंध व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिये। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पात्रता वर्णनी गई हो प्रत्येक संविदा के साथ जोड़ी जानी चाहिये।

खण्ड-2—संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्त विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिये:—

2. (1) 1989-90 के लिये 370 मिलियन येन की अनुदान सहायता से संबद्ध इस संविदा की व्यवस्था 25 अप्रैल, 1990 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2. (2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिये प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जायेगा जो 1989-90 के लिये जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, इण्डियन आयल भवन, 5वां तल (बी.विंग), जनपथ, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जायेगा।

2. (3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत है जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हों।

2. (4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के साथ विचार विमर्श करके पोतलदान की व्यवस्था करने के लिये सहमत हो गया हो और इस उद्देश्य से वह शामिल माल की डिलीवरी के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करना रहेगा और कम से कम छः हफ्ते पहले अपेक्षित पोतलदान की अधिसूचना भारतीय दूतावास को देगा ताकि समुचित व्यवस्था की जा सके। अपवाद स्वरूप अगर आयातकर्ता चाहे तो नोटिस की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलदान के बाद आयातकर्ता को केवल द्वारा आवश्यक ब्योरे की सूचना देने के लिये भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जायेगी।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन।

3. (1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिये जाते हैं, लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियों या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिये गये क्रय आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियों सहित सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के

साथ अनुबन्ध-1 के प्रपत्र में “ए/पी जारी करने के आदेशन” की दो प्रतियों सहित अवर सचिव (टी ए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिये। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषयवस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आयोगों से उत्पन्न सभी संविदा संगोष्ठनों के लिये भी लागू होगी।

3. (2) वित्त मंत्रालय (डी ई ए) जापान अनुभाग 1989-90 के लिये 370 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिये संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिये भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जायेगा।

3. (3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक, जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, इण्डियन आयल भवन, 5वां तल, बी. विंग, जनपथ, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत सरकार का दूतावास टोकियो, आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जायेगी।

3. (4) भुगतान के लिये प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत करायेगा।

3. (5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित वस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि वस्तावेज सही पाये गये तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो वस्तावेजों में उल्लिखित घनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3. (6) जापानी संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभारों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किये बिना सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से बैंक आफ इंडिया टोकियो को घन परेषण द्वारा तय किया जायेगा।

खण्ड-4 रुपया निक्षेप करने के लिये उत्तरदायित्व

4. (1) मूल पराक्राम्य पोत परिवहन दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जायेंगे जोकि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबन्ध-1 में (ण) पर यथा-उल्लिखित किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की एक शाखा होगी जो संबंधित आयातक को पराक्राम्य जहाजरानी वस्तावेज रिहा करने से पूर्व इस बात की सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन भुगतान की समतुल्य रुपये की घनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहाँ देने योग्य है, ब्याज के प्रभारों सहित मुख्य अदायगी की राशि सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस घनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपये जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और गेष अवधिके लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 20-8-83 और 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 की शर्तों के अनुसार सरकारी लेखे में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन विदेशी

संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है, देय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 20-7-87 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 20-7-87 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 आयातक द्वारा किए जाने वाले रुपये निक्षेपों को निकटतम रुपये में गिना जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनानी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की तरह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 तथा सार्वजनिक सूचना सं. 13-आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनियम नियंत्रक परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि वेय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाने में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वेय धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाने में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि वेय धनराशि सरकारी खाने में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी है भले ही अब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वेय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो प्राप्ति के लिए उसे प्राधिकार पत्र लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो प्राप्ति के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट्स एंड एक्वासिग 8443 सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परमैजिज अटस्ट्रा एन्ड अंडर ग्रांट ऐंड क्रोम दि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1989-90 द्वारा फार वि परमैजिज आफ फायर फाइटिंग एंड रेस्क्यू इन्वैस्टमेंट।

4.(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जालान के ऊपर वाणिजी और कोने में कोड नं. 5130000009 का संकेत देते हुए या ऐसा संभव न हो तो धनराशि भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी अनुसंग शाखा या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक (ड्रायर) से डिमांड ड्राफ्ट लेकर उसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 (ड्रायी एंड पेयी) को भेदा किया जाए लिखकर सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा-निर्धारित रूप में जमा होना चाहिए।

4.(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसा किया जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा। जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। जालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात की सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना जालान के कालम "घन परेषण" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना जालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।
- (घ) भेदा किए गए ब्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है।

(ङ) कुल जमा राशि।

(ब्याज की गणना जापानी संभरक को अदायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रुपया सरकारी खाने में जमा कराया है, की जाएगी);

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का संबंध देने हुए और बीजक तथा पोत-परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करने हुए खजाना जालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना है।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतपदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4.(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक की माइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठीकरण करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड—5 विधि व्यवस्थाएं

5.(1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्टें।

संभरक को की जाने वाली अदायगियों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अनुदान से व्यवस्था करनी होगी आयातक के बैंक द्वारा दर या विलम्ब से प्राप्त पोत परिवहन इत्यादि प्रलेखों की प्राप्ति के रुपया निक्षेप राशि पर देय ब्याज राशि को आंशिक या पूर्ण रूप में माफ करने का कारण नहीं माना जाएगा।

आयात का पोतपदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और येय धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्टें सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय इंडियन आयल भवन, 5 वां तल (बी. विंग) नवपथ, नई दिल्ली-110001 को भेजनी चाहिए।

5.(2) आयातक को उन किसी विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माफ के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

5.(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-1 में "भुगतान की शर्तों" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5.(4) भावी अनुदेश

जापान से 1989-90 के लिए अनुदान सहायता के अन्तर्गत आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापान से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

5.(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

5(6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध—1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध

अनुबन्ध—2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

अनुबन्ध-1

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र

संख्या:-----

सेवा में,

सहायक निष्ठा तथा निष्ठा परीक्षा निरीक्षक,
वित्त विभाग, प्राथमिक कार्य विभाग,
"बी" विंग 5वां तन, जापान भवन,
नई दिल्ली।

विषय:—370 निविदा पत्र को 1989-90 के लिए जापानी अनुदान सहायता के प्राप्ति अधिनियम और बचान उपकरणों और उनका भारतीय बंदरगाहों पर परिवहन करने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात।

महोदय,

कार उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से अतिरिक्त और बचाव उपकरणों और उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के संबंध में हम संबंधित जापानी संभरक के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाहपेस को संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह वैध है।
- (ग) अतिरिक्त के तहत के क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमा शुल्क निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निदिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपये में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक।
- (ञ) जापानी संभरक का नाम और पता।
- (ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ठ) माल की सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।

(ड) पोतलदान अनुदेश (अनुदेश या गैर अनुदेश वाहतान्तरण/प्राथमिक पोतलदान निदिष्ट कीजिए)।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(त) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रभार कौन वहन करेगा। कृपया निदिष्ट करें।

(थ) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—“हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रुपये की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक पत्रेण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि सीधे ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।”

अनुबन्ध-2

प्राधिकार पत्र सं.-----

संख्या एक-----

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राथमिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक-----

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:—370 निविदा पत्र को 1989-90 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अतिरिक्त अतिरिक्त और बचाव उपकरणों और उनका भारतीय बंदरगाहों पर परिवहन करने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात। प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-4-1990 को दिए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए तथा संलग्न व्योरे के अनुसार संबंधी-----को-----येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजधानी, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा सांकेतिक लवान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करते समय (आयातक बैंक का नाम और पता)-----मूल पोतपरिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों का पूरा गैट संभरक को आयात के लिए नामे बीजक की प्रति जिसमें आयातगी यदि कोई हो भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकों के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भुगतान किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक के द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए वरदान दस्तावेजों प्राधिकार के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र-----तक वैध रहेगा।

9. इस अधिकार पत्र के शीर्ष पर दिया गया है इसे संविदा से संबंधित सारे पत्राचार में और बीजक में प्रवायगी शक्ति हुए भी लिखा जाए।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:-----

1. आयातक-----को उनके पत्र सं.-----दिनांक-----के संदर्भ में।

उन्से अनुरोध है कि वे बैंकों से विलियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निशेष प्राधिकार जमा कराने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पन्ना प्राधिकारियों से भूख पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निशेष किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निशेष कर दिए जाएं। निशेष जरूरी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में स्पष्टलिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक ----- (1) यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखें और आयात विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्रवाई करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-आईटीसी (पीएन) 88-89, दिनांक 6-4-88 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 35-आईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना है। ब्याज दोनों दिनों के लिए वेय है। अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 230-आईटीसी (पीएन)/85-88 की शर्तानुसार आयातक द्वारा निशेष किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपये के गुणक में की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सीमाशुल्क निकासी के लिए

यह दस्तावेजों का मूल सौट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, सीम हजारी में बालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 यथांते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाना है। यह लेखा शीर्ष जिनमें रुपया जमा कराना है। "के डिपोजिट्स एण्ड एडवांज-843-सिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स नॉट बैरिंग इस्ट्रेट्स, डिपोजिट्स फार परबेजिज एटसेडा अवरोड, परबेजिज अण्डर ग्रांट ऐंड फाम दि गवर्न-मेंट आफ जापान फार 1989-90 अण्डर डिटेल्ड हेड "370 मिलियन येन ग्रांट एण्ड फार परबेजिज आफ फायर फाइटिंग एण्ड रेस्क्यू इक्विपमेंट" होगा।

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में बालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उन के द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए, एक अवशेष पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा निबंधक,

जिस्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

इंडियन आयल भवन, 5वां तल (बी. विंग),

जनपथ, नई दिल्ली-110001,

(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्णनी टुण्डी द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जहां किए गए तुल्य रुपये चुकाए गए ब्याज की राशि और वह अवधि जिसके लिए ब्याज गिना गया है, का पूरा व्यौरा हम विभाग को भेजना चाहिए।

(6) ब्रांच के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकों के प्रभार, यदि कोई हों, तो वे भारतीय बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो के बीच सीधे तय किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत खोलर के रूप में बैंक के कर्मचारी एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिश्चित किया गया है। इस संबंध में 18-6-1977 के ए. डी. परिपत्र सं. 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. अवसर सचिव, जापान अनुभाग, जिन मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई. सी. सं. -----दिनांक-----के संदर्भ में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 66 ITC(PN)/90-93

New Delhi the, 4th October, 1990

SUBJECT :— Grant Aid of Yen 370 Million (1989-90) for import of Fire Fighting & Rescue Equipment-licensing conditions regarding.

File No. IPC/23(63)/90-93 :—The terms and conditions governing import of Fire Fighting and Rescue Equipment ser-

vices necessary for the transportation of the Equipment to port of India from Japan under Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 370 Million are contained in the Appendix to this Public Notice and are hereby notified for information.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 66 ITC(PN)/90-93
DT. 4-10-90

Licensing conditions for import of Fire Fighting and rescue equipment services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan Japanese Grant Aid for 1989-90 of yen 370 Millions (Yen 370,000,000).

Section I General Conditions

I(i) The Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 370 million is intended to be used for financing payments to Japanese Supplier, for import of Fire Fighting & Rescue Equipment and services necessary for the transportation thereof to port of India.

I(ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 407 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 370 million Japanese Grant Aid for 1989-90". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". But no import licences is required for items covered under O.G.L.

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, thereof, be charged to the licence.

I(iv) The equipment should be procured only from Japan under this grant Aid.

I(v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1991.

I(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-91".

I(vii) The contract value (FOB of C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II(i) The contract is arranged in accordance with the agreement dated the 25th April, 1990 between the Government of

India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 370 million for 1989-90 and will be subject to the approval of both the Governments.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1989-90.

II(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involve and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III:—Contract Approval by Government of India and Japan.

III(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 5 copies of the contract duly signed by both parties of purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese a supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annexure I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 370 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA & A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III(iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo the importers, Bank in India and the CAA & A.

III(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his Bankers the documents specified in the

A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit-

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (i) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 20-8-83 and No. 33/ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85—88 dated 20-7-1987.

The Rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 3-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and Public Notice No. 13-ITC(PN)/88—91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is K-Deposits Advances 8443—Civil Deposits—Deposits not bearing interest Deposits for purchases etc., abroad—purchase under "Grant Aid from the Government of Japan" for 1989-90 Grant for purchase of Fire Fighting and Rescue Equipments.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank

of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of services charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full part particulars of remittances and authority (if any)" of the Challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans:—

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note: Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V: Miscellaneous provisions

V(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid:—The importers should make separate arrangement to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc. by importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made thereagainst and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V(ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the imports of goods under this grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V(iii) Disputes:—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V(iv) Future Instructions:—The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1989-90 from Japan.

V(v) Breach or violation:—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures

- Annexure I Request for issue of A/P.
Annexure II Form of A/P.

Annexure—I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
'B' Wing, 5th Floor,
Janpath Bhavan, Janpath,
New Delhi.

Subject:—Import of Fire Fighting & Rescue Equipment and Services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 370 millions for 1989-90.

Sir,

In connection with the Import of Fire Fighting and Rescue Equipment services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned:—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, Date and Value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.

(l) Expected date of completion of deliveries.

(m) Documents to be represented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

(n) Shipment instructions (indicate if transshipment/par t shipment permitted or not permitted).

(o) Name and address of the Importer's bank in India.

(p) Who will bear the banking charges of the B.O.I. Tokyo importer of supplier, please specify.

(q) Undertaking by the importer:—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign supplier made are approved by us and the payment's made suppliers."

Yours faithfully

Annexure-II

Authorisation to pay No.

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the-----

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject:—Import of Fire Fighting & Rescue Equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 370 million for 1989-90. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-4-1990 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen-----to M/s.-----as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/c may be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, you should send to (Name & Address of Importer's Banker) the original shipping documents, negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handlings documents and charges of Overseas Suppliers Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

7. No. amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific Authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto _____

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to:

1. Importer—_____with reference to their Letter No. _____dated_____. They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importer's Banker—_____

(i) This Authorisation to pay is issued under relevant Licensing conditions governing the imports under Yen Grants. The licensing conditions and connected Public Notices/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the Import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 and 113-ITC (PN)/88-89 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into Government of India's accounts in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and No. 35/ITC (PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account. (Any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC (PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made

by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiary or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K—Deposits & Advances—8443—CIVIL Deposits. Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad—purchases under Grant Aid from Govt. of Japan for 1989-90 under detailed head "Yen 370 million grant aid for purchases of Fire Fighting & Rescue Equipments."

(vi) One copy of the Challan in original, in case where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Indian Oil Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalent deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AD Circulars of the R.B.I. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. _____dated_____.

(_____)
Accounts Officer

